!! प्रेक्षा प्रणेता आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी का !!
!! 92वां जन्म दिवस प्रज्ञा दिवस के रूप में !!

अर्हम्

सुनाम – दिनांक 29-6-2011 को शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी शिष्या साध्वी श्री सोहनकुमारी जी छापर के सान्निधय में प्रज्ञा दिवस का आयोजन किया गया। साध्वी वृंद के द्वारा महाप्रज्ञ अष्टकम् के मंगलाचरण के द्वारा कार्यक्रम आरम्भ हुआ।

साध्वी श्री जी ने अपने मंगल प्रवचन में कहा– महाप्रज्ञ वह होता है, जिसकी अन्तर प्रज्ञा जागृत हो जाती है और जन–जन की प्रज्ञा जागृत करनें में अहर्निश प्रयत्नशील रहता है। महाप्रज्ञ व्यकित एक और उनके रूप अनेक थे। नत्थू से महाप्रज्ञ तक की यात्रा विशिष्ट उपलब्धियों भरी थी। अंतिम क्षण तक पुरूषार्थ एवं श्रम का जीवन जीया। महान् ध्यानयोगी, साहित्यकार, लेखक, वक्ता, सफल प्रवचनकार, स्वस्थ प्रयोक्ता, अहिंसा यात्रा के प्रणेता, महान् अध्यातम् के शिखर पुरूष थे, आचार्य महाप्रज्ञ। उनके प्रवचन का एक – एक वाक्य भी जीवन में बहुत बडा योगदान देने वाला है।

आचार्य महाप्रज्ञ जी अध्यात्म और विज्ञान को जोडने वाला एक सेतुकार थे। बिना अध्यात्म के विज्ञान अधूरा है और बिना विज्ञान के अध्यात्म अधूरा है, दोनों की संयुकित अति आवश्यक है। आचार्य श्री महाप्रज्ञ का जीवन साम्प्रयदायतीत था। आगमोक्त अष्ट सम्पदाओं से युक्त था। सहिष्णुता एक ऐसी जादुई छडी है, जो अनेक समस्याओं का समाधान देने में सक्षम है। ध्यान के सफल प्रयोक्ता थे, आचार्य श्री महाप्रज्ञ। ध्यान आत्मदर्शन का एक सफल प्रयोग है, जो जनता के लिए महान् प्रेरणा देने वाला है।

साध्वी श्री लज्जावती जी ने कहा– आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के जीवन निर्माता थे, आचार्य श्री तुलसी ! आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के जीवन को देखने से यह विदित होता है, कि उनका तीसरा नेत्र जागृत हो गया। आचार्य महाप्रज्ञ जी अपने जीवन की पोथी ऐसे खोलकर देते की कहीं भी पढकर प्रेरणा पाथेय को प्राप्त कर सकते है।

इस अवसर पर साध्वी श्री सिद्धान्त श्री जी, साध्वी श्री लावण्य श्री जी, पुरूषोतम जी जैन, केवलकृष्ण जी जैन, चिमन जी जैन, नेहा जैन, रामलाल जी जैन, महिला

मंडल, प्रज्ञा, तानिया एवं सोनिया ने कविता, गीतिका के माध्यम से अपने भावों की अभिव्यकित दी। ज्ञानशाला के बालक-बालिकाओं ने बहुत हीं सुन्दर एवं रोचक ढंग से कव्वाली के माध्यम से आराध्य के प्रति श्रद्धा सुमन समर्पित किए।

कार्यक्रम का सफल संयोजन तेरापंथ युवक परिषद् के सहमंजी हितेश जैन ने किया।

Yours Faithfully,
All TYP Members,
President:- Sumit Jain.
Secratery:- Ashish Jain.
Hitesh Jain (90413-99764)

Date Of Sent:- 29-6-2011.

****